

कंप्यूटर में उभरती हुई तकनीकें और उपकरण: डॉ. अखिलेश श्रीवास का ज्ञानवर्धक और रोचक व्याख्यान

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग के कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा दिनांक 27/01/2025 को PM-USHA 2.0 मद के अंतर्गत "Emerging Tools and Technology in Computer Science" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में, कंप्यूटर विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ. सनत कुमार साहू ने अतिथि डॉ. अखिलेश श्रीवास, सहायक प्राध्यापक, गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ का विशेष रूप से स्वागत किया। डॉ. अखिलेश श्रीवास, गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर, छत्तीसगढ़ के कंप्यूटर विज्ञान विभाग के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ हैं, जिन्होंने श्रोताओं को कंप्यूटर विज्ञान के भविष्य की एक रोमांचक यात्रा पर ले जाकर कंप्यूटर के क्षेत्र में हो रहे नवीनतम विकासों पर केंद्रित, उभरती हुई तकनीकों और उपकरणों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने वर्तमान में उपयोग हो रहे AI के विभिन्न पहलुओं, मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग और प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण (NLP) पर चर्चा की, तथा बताया कि AI मानव समाज के जीवन को कैसे बदल रहा है और भविष्य में इसकी क्या संभावनाएं हैं। डेटा विज्ञान के महत्व और इसके अनुप्रयोगों पर प्रकाश डाला गया और बताया गया कि कैसे नई जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और हम अपनी समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। साइबर सुरक्षा के खतरों और उनसे बचाव के तरीकों पर चर्चा की गई। यह भी बताया गया कि हम अपनी डिजिटल जानकारी को कैसे सुरक्षित रख सकते हैं। इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) की अवधारणा और इसके अनुप्रयोगों पर प्रकाश डाला गया तथा यह भी बताया गया कि IoT हमारे घरों, शहरों और उद्योगों को कैसे स्मार्ट बना रहा है। यह व्याख्यान उन सभी के लिए महत्वपूर्ण है जो कंप्यूटर विज्ञान और प्रौद्योगिकी में रुचि रखते हैं। यह व्याख्यान श्रोताओं को नवीनतम तकनीकों और उपकरणों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करने के साथ ही भविष्य में नई तकनीकों के उपयोग और रिसर्च पर आधारित था। इस कार्यक्रम में विभाग के सभी सहायक प्राध्यापक एवं अतिथि व्याख्याता सहित लगभग 85 छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में, डॉ. लतिका ताम्कार सहायक प्राध्यापक ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

